

7/4/21

पजावली पेशे हुरी, सांगे 5.00 वरुण तस  
ब्याट-ब्याट भाषाज किलामी जामे/ जामे  
आभाषण प वनापयने मरुठे ही अता जामे  
का जामे अता घपरी अता जामे  
हे खरीद किला जामे ही पजावली  
जैतल सुजाट होरु फी नमरुठे ल कज  
ये तामप) वाखिले मरुठे ही

